

5



USBB 763683



[Handwritten signature]

विक्रय विज्ञापन

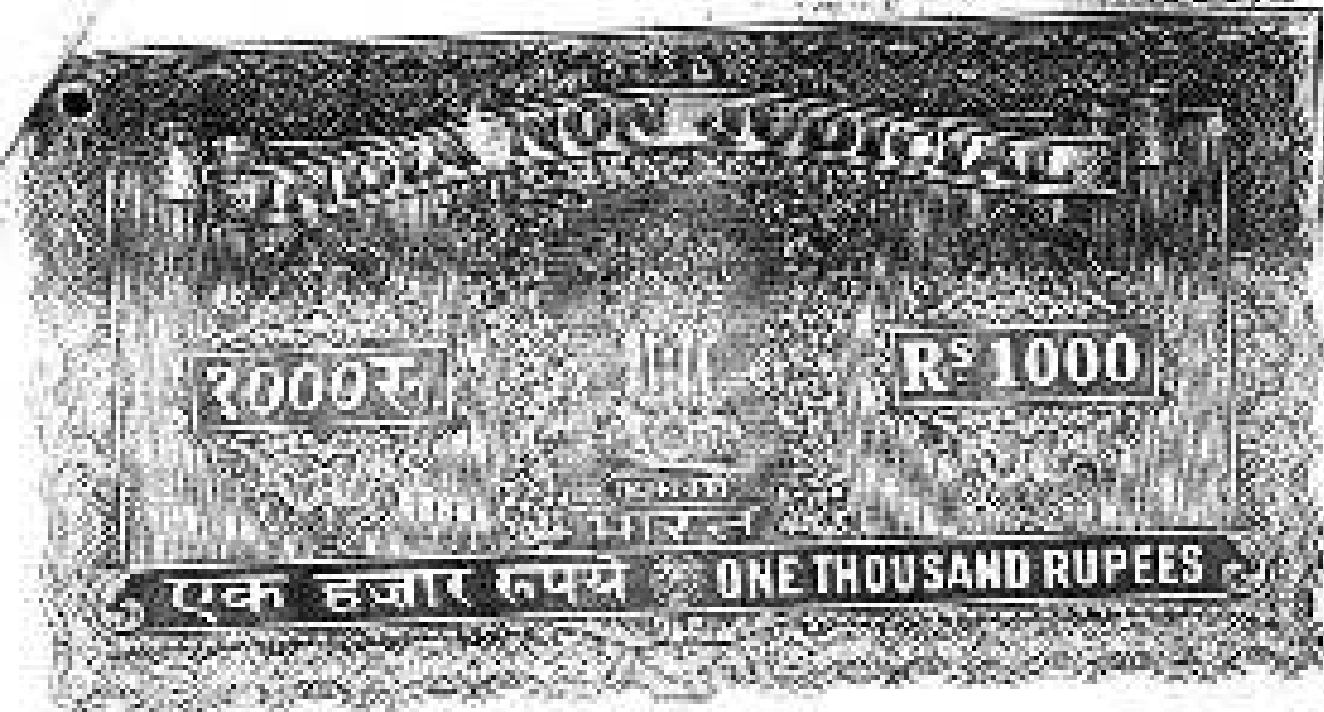
विक्रय मूल्य : ₹ 1,57,300/-
 वास्तविक मूल्य : ₹ 1,82,300/-
 अंशगत मूल्य : ₹ 19,300/-
 परगना : मिर्जापुर

यह विक्रय विज्ञापन श्रीमती हरदेई पत्नी स्व. कन्हई निवासिनी— ग्राम मुजफ्फर नगर धुसवल, परगना— मिर्जापुर, रायसील व जिला, लखनऊ जिल्हे आगे विक्रेता कला गया है. एवम् फॉर्मरप्रोथ रिजल स्टेट्स प्राईवेट

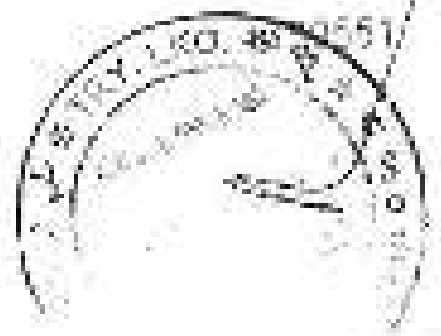
[Handwritten signature]

For Particulars of the Property, Please Refer to the

Authorised Signatory



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

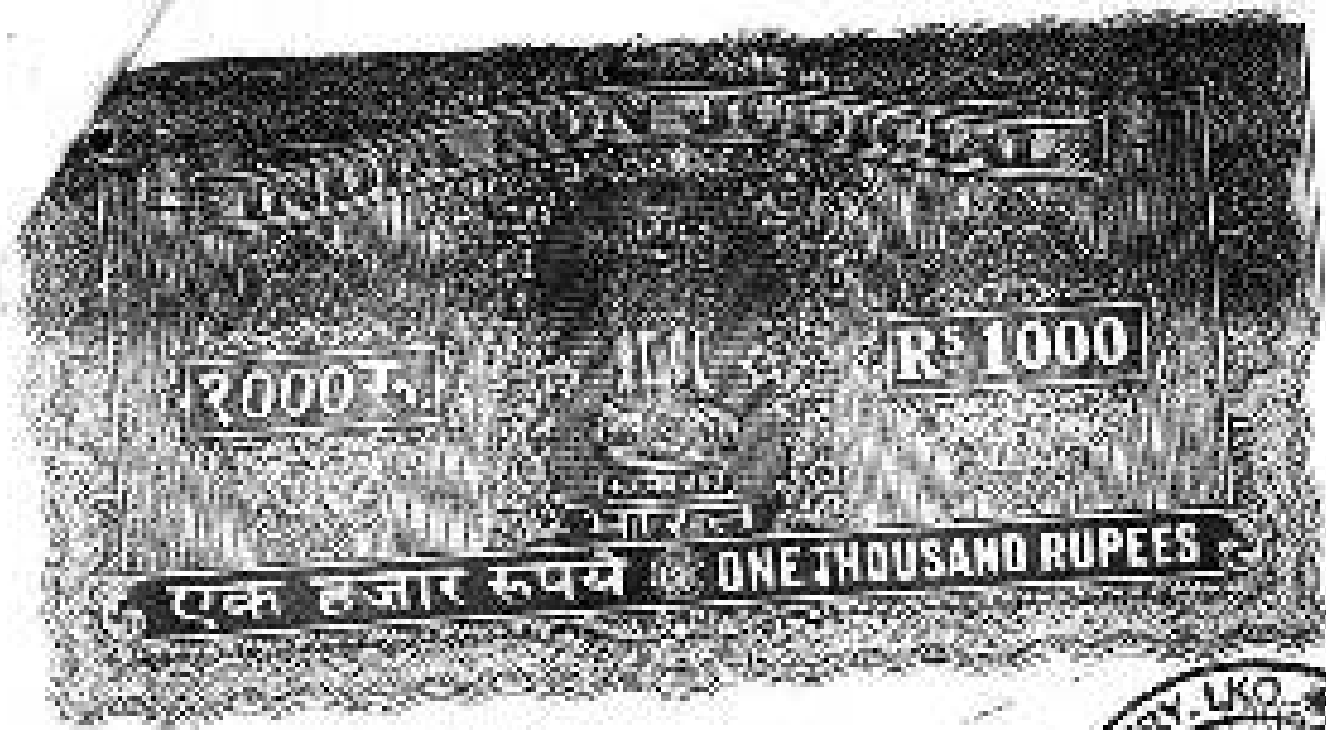


लिमिटेड रजिस्टर्ड आफिस- 1101 टाल्लर्टॉय हाऊस,
टाल्लर्टॉय मार्ग, नई दिल्ली, वर्तमान पता-तृतीय तल,
वाई0एम0सी0ए0 बिल्डिंग, 13-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ
द्वारा अधिकृत हस्ताक्षरी श्री के0के0सिंह, पुत्र स्व. गणेश
सिंह वर्तमान एवं स्थायी पता-तृतीय तल, वाई0एम0सी0ए0
बिल्डिंग, 13-राणा प्रताप मार्ग लखनऊ जिन्हें अने केरा
कहा गया है के द्वारा निष्पक्ष किया गया।

10/10/51

For Date: 10/10/51

Authenticated Signature



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



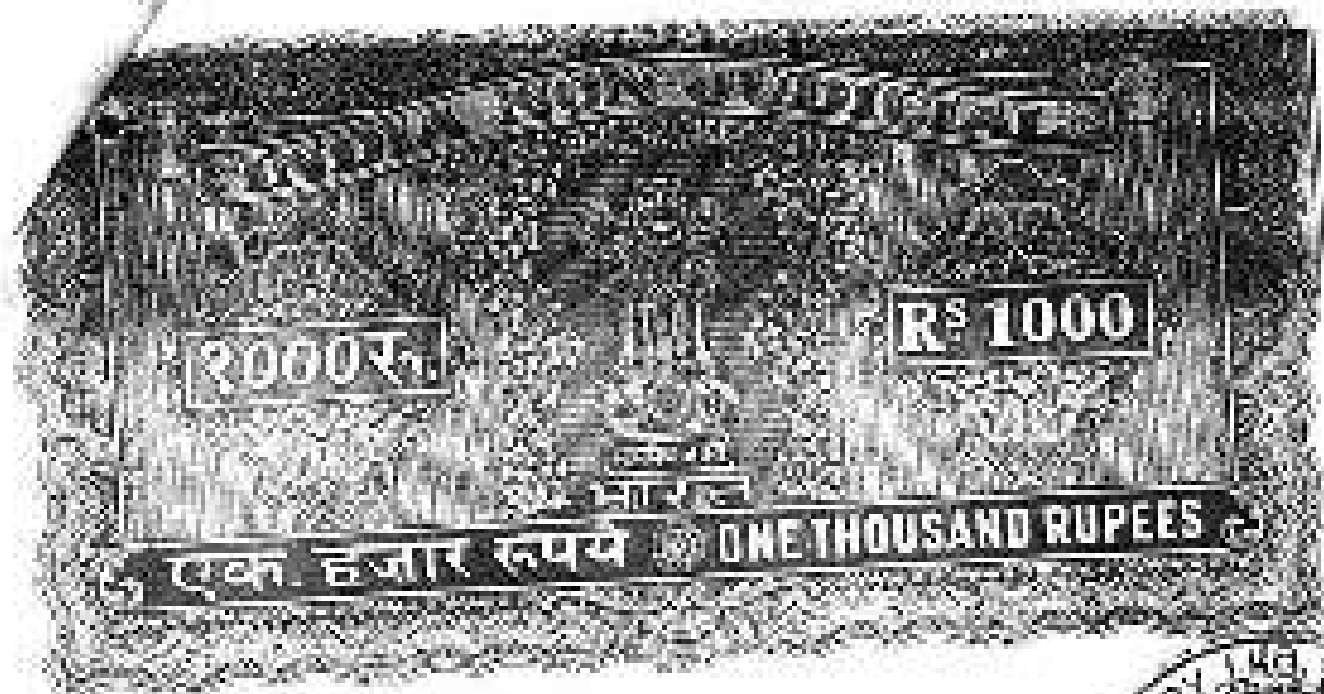
- 1 -

ज.प.के. विजेता भूमि खसरा नं० 311स एकका 0.038
 हेक्टेयर, खसरा नं० 342/3 एकका 0.048 हेक्टेयर, खसरा नं०
 459/1 एकका 0.012 हेक्टेयर, खसरा नं० 460/2 एकका 0.044
 हेक्टेयर, कुल एकका 0.143 हेक्टेयर, स्थित ग्राम मुजफ्फर नगर
 मुखदल, परगना- दिजनीर, तहसील व जिला, लखनऊ, का
 मालिक, कमिल व कमिल है तथा उपरोक्त कल्याणित पटवारिक
 खाता खातीनी क्रम संख्या 00230 के अनुसार भूमि विजेता के
 नाम का अमल परामर्श राजस्व अभिलेखों में हो गया है। विजेता
 अपना सम्पूर्ण हिस्सा जेला को दूर विक्रम विजेता द्वारा विक्रय

2008/09

For Full Details

2008/09



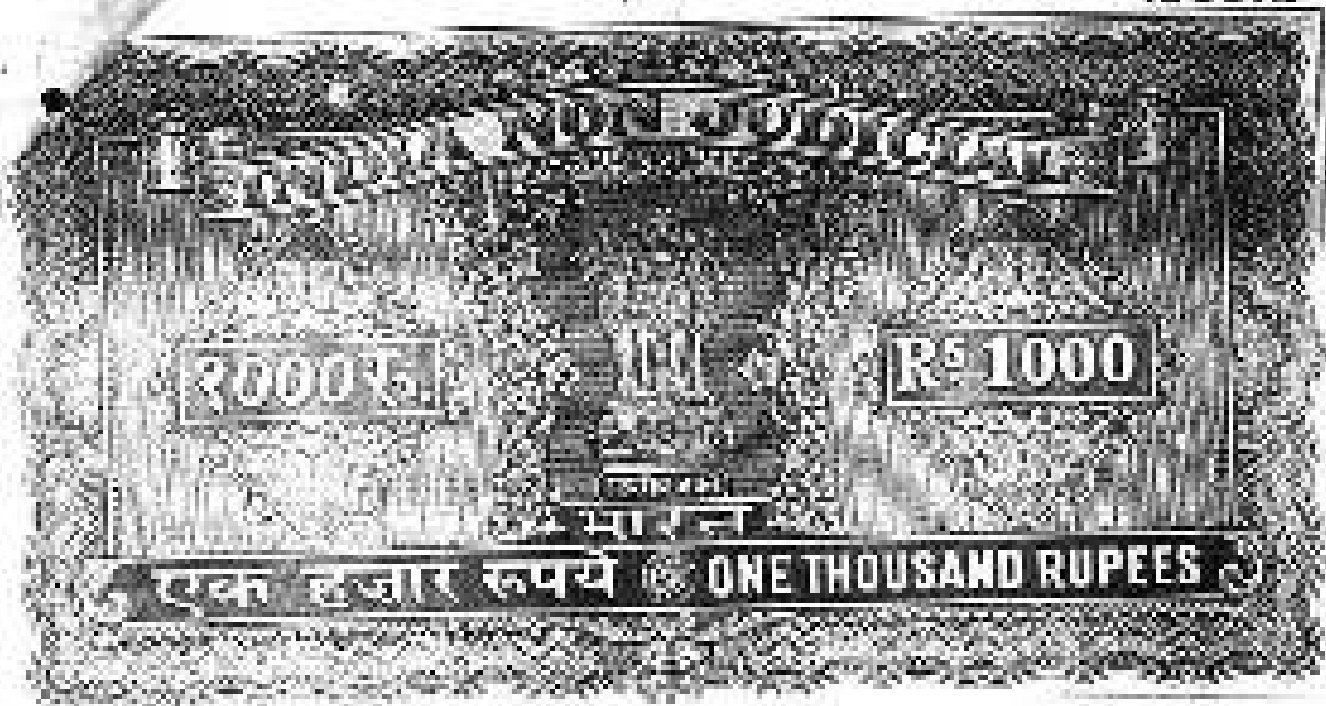
बनार प्रदेस UTTAR PRADESH

- 4 -

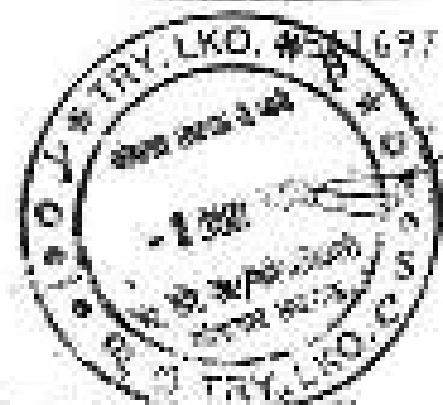
कर रहा है रिजेक्ट करके। बापूजी भूमि के मालिक, कमिश्नर व कर्मिका है एवं वर्तमान समय में उक्त भूमि कृषि भूमि है, और यह कि विक्रेता यह घोषित करता है कि उपरोक्त वर्णित भूमि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं पाक व साफ है तथा विक्रेता ने इसे इस विषय के पूर्व अच्छी तरह देखा, गिरी की या अनुमति प्राप्त बुनियादि नहीं किया है। उपरोक्त भूमि या उसका कोई भाग किसी न्यायालय या सरकारी कार्रवाई के अन्तर्गत विवाद का वस्तु विषय नहीं है, न ही गुरु इत्यादि है। विक्रेता के अलावा उक्त भूमि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वत्व, हक या दावा

होने का दावा

प्रमाणित करता है



उत्तर प्रदेश UTAR PRADESH



इत्यादि नहीं है, एवं विक्रेता को उक्त विजय अन्तरिक्ष सेवा का पूर्ण अधिकार प्राप्त है। अतएव उपरोक्त सहमति के फलस्वरूप रु. 1,57,300/- (रुपया एक लाख सातान्न हजार तीन सौ मात्र) के प्रतिफल में जिसका कि उपरोक्त लेता द्वारा विक्रेता की इस विलेख के अन्त में दी गई अनुसूची में वर्णित विधि के अनुसार भुगतान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विक्रेता यहाँ स्वीकार करता है, तदनुसार उक्त विक्रेता उक्त लेता के द्वारा उपरोक्त वर्णित मूल्य जिसका विवरण इस विजय विलेख के अन्त में अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को

२२/१२/८८

For Fair Growth Real Estate Pvt. Ltd.

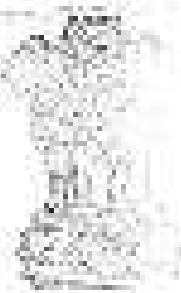
200/1/88/11/000000

भारतीय नोट न्यायिक

एक सौ रुपये

100

100



भारत 1957

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

-6-

कलह देल दिया है. एवं जिल्ला ने विजयशुद्ध भूमि का मीर पर
कब्जा जेता को गयरी करा दिना गया है। अब जयत आराजी
पर जिल्ला तथा उसके बारिसान का कोई अधिकार नहीं है।
जिल्ला ने विजयशुद्ध सम्मति को अपने एकमिन्न के समस्त
अधिकारों के साथ पूर्णतया व हमारा के लिए जेता को
हस्तान्तरित कर दिया है। अब जेता विजयशुद्ध सम्मति एवं
एसके प्रत्येक भाग को अपने एकनाम स्वाभित्त व अधिकार व
कब्जे में सम्मति के रूप में धारण एवं उपयोग व उपभोग
करेगे। जिल्ला एसामें किसी प्रकार की अडबन बाधा नहीं डाल

For File

भारतीय न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs 100



HUM

INDIA
INDEPENDENT JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

311168

- 7 -

संयोग एवं न ही कोई नाग कर सकेंगे। और यदि विक्रयशुद्धा
सम्पत्ति अथवा कोई नाग विक्रेता के स्वामित्व में होने के कारण
या कानूनी अड्डेशन या कानूनी त्रुटि के कारण केला या उसके
विरिक्तान निष्पादकनाम इत्यादि के कल्ले या अधिकार या स्वत्व
से निकल जाये तो केला उसके वारिसाल, निष्पादकनाम इत्यादि
को यह एक होगा कि वह अपना समस्त मुकसान नग इर्जा व
लवा, विक्रेता की चल, अचल सम्पत्ति से जरिये अदालत वसूल
कर ले। उस स्थित में विक्रेता एवं उसके वारिसाल कर्ता व
सर्वा देने हेतु बाध्य होगा।

२२/६/६८

For Sale Order

भारतीय नगर - यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100



HUNDRED RUPEES

भारत

NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश

3-11-76

यह कि जेता दिवसपुत्र सम्पत्ति की प्राप्ति खातिर राजस्व अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा है तो विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी और यह कि इस विषय विवेक के पूर्व का अगर कोई नक़्काया किसी तरह का भार इस सम्पत्ति पर होगा तो उसको विक्रेता मुक्तान व वहन करेंगे, विक्रेता को कोई आपत्ति न होगी।

यह कि उपरोक्त खसत नम्बर ग्राम मुजफ्फर नगर प्रखण्ड, अखण्डनीय क्षेत्र के शिक्षा ग्राम के अन्तर्गत आता है इसलिए निर्धारित सरमिन रेट रु० 11,00,000/- प्रति हेक्टर

उपरोक्त क्षेत्र

The Public Officer, ...
[Signature]

के विभाग से विहीन भूमि 0.45 एकड़ पर भी निर्माण एवं
 2500/- रुपये है। दूसरी खण्ड भूमि 0.45 एकड़ है।
 विक्रीत/विक्रीत 2500/- रुपये के कुछ भाग पर भी
 कुछ भविष्य 2500/- रुपये के विभाग भूमि की
 खण्ड भविष्य से कम है इसलिए निम्नानुसार गणना शुरू
 पर ही 2500/- एकड़ खण्ड का किताब आ रहा है।
 यह कि उपरोक्त विक्रीत भूमि के उपयोग के लिए कम की
 जा रही है। इस भूमि में कोई खेती, उद्यान, या निर्माण नहीं
 नहीं है, तथा 250 मीटर के अर्धवृत्त में कोई निर्माण नहीं है
 विक्रीत भूमि किसी शिक मार्ग, राजमार्ग या अन्यथा मार्ग पर
 स्थित नहीं है। विक्रीत भूमि सुल्तानपुर रोड के समीप से
 किलोमीटर से अधिक या अधिक पर 200 मीटर से अधिक दूरी
 पर स्थित है। विक्रीत अनुसूचित जनजाति का सदस्य नहीं है।
 इस विभाग विभाग के निष्कासक का समस्त कार्य करने द्वारा नहीं
 किया गया है।

सिद्धांत यह विक्रय पर इन विभाग से लेता के पक्ष में
 विश्व दिनांक ताकि सनद हो और आवश्यकता पड़ने पर काम
 करें।

परिशिष्ट : विवरण निम्नानुसार सम्पत्ति का विवरण

भूमि खसरा नं० 3115 रकबा 0.009 हेक्टेयर, खसरा नं०
 342/3 रकबा 0.045 हेक्टेयर, खसरा नं० 450/1 रकबा 0.012

रिजिस्ट्रार के कार्यालय

19/11/2019

(Signature)

इसलिय, खसरा नं० 460/2 संख्या 0.344 हेक्टर, मूल जमीन
 0.775 एकड़, 3000 घन फुट, 1000 घन फुट, 1000 घन फुट—
 विभाजित, मालिकों के नाम, संपत्ति, 1000 घन फुट, 1000 घन फुट, 1000 घन फुट

खसरा नं० 311/1

उत्तर : खसरा संख्या-310
 दक्षिण : ग्राम सीमा निजामपुर नौदिया
 पूर्व : खसरा संख्या-310
 पश्चिम : खसरा संख्या-310

खसरा नं० 342/3

उत्तर : खसरा संख्या-343
 दक्षिण : खसरा संख्या-327
 पूर्व : खसरा संख्या-326
 पश्चिम : खसरा संख्या-344, 341, 323

खसरा नं० 359/1

उत्तर : खसरा संख्या-360
 दक्षिण : खसरा संख्या-358
 पूर्व : खसरा संख्या-354
 पश्चिम : खसरा संख्या-357, 360

खसरा नं० 460/2

उत्तर : खसरा संख्या-459
 दक्षिण : खसरा संख्या-463
 पूर्व : खसरा संख्या-461
 पश्चिम : खसरा संख्या-377, 378, 376

इसलिय, 10/10/20

For File

10/10/20

परिशिष्ट - गुणगान विवरण

कुल निशान: कुल का 1,52,300/- लिखा एक लाख
असहजत जगत में सी माती एक सय - 65,25 दिनांकित
07.08.2022 उक्त निशान बैंक अक्षरसंग, उक्त निशान दिनांकित
केला से 8-12 दृष्ट तथा निशान प्रान्ति दिनांकित करके है।

24/1/20

E-144: CT CH200

7912

Grand Haven Sp. Ed. High Sch
International Commercial Complex
Grand Haven?

2007年12月

Figure 1

$$2 \rightarrow \text{Sph} \xrightarrow{1} \text{Ind E}$$

2007年12月27日

2014-15



उद्देश्य

10

पुनर्दिवाक्या

(निवेक गुनार सिंह)
एडवोकेट

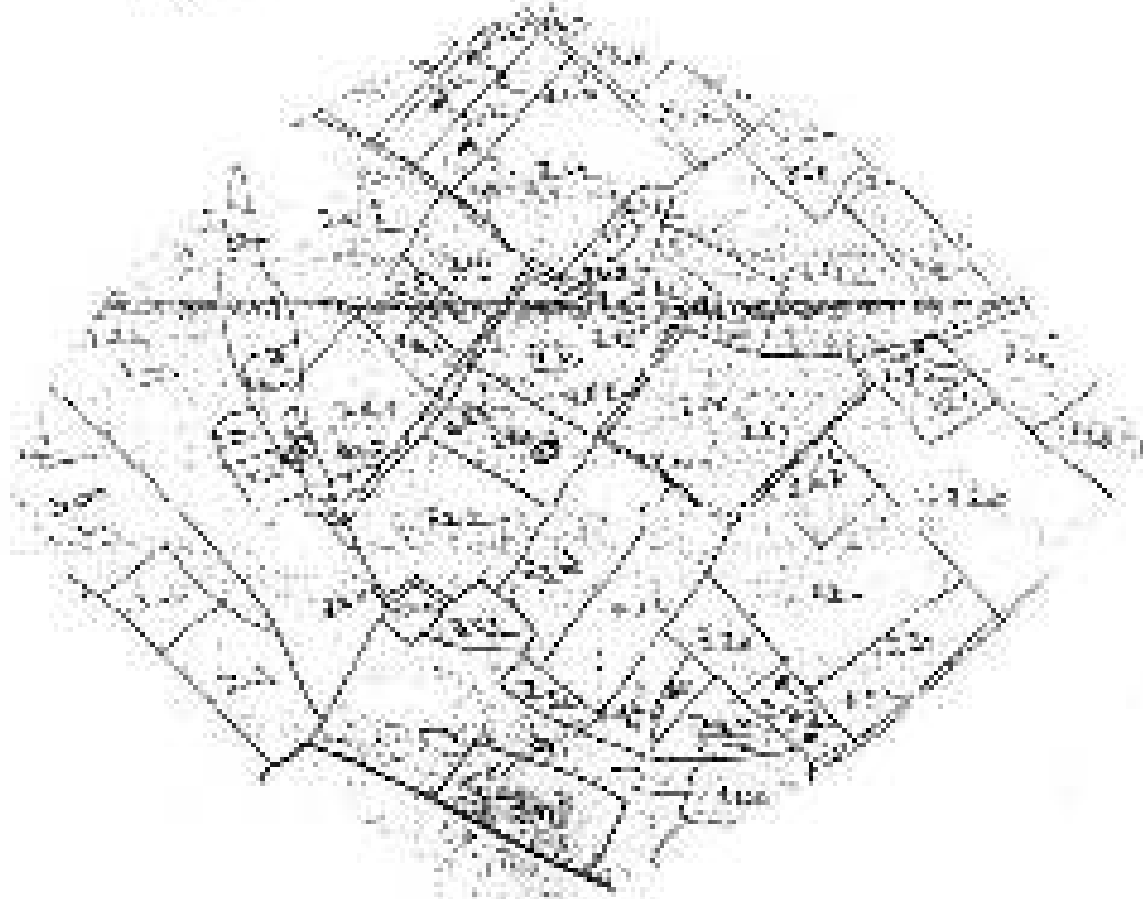
2012 MAY 11

Page 11

11-000000

2012 MAY 11 11:00 AM

11-000000



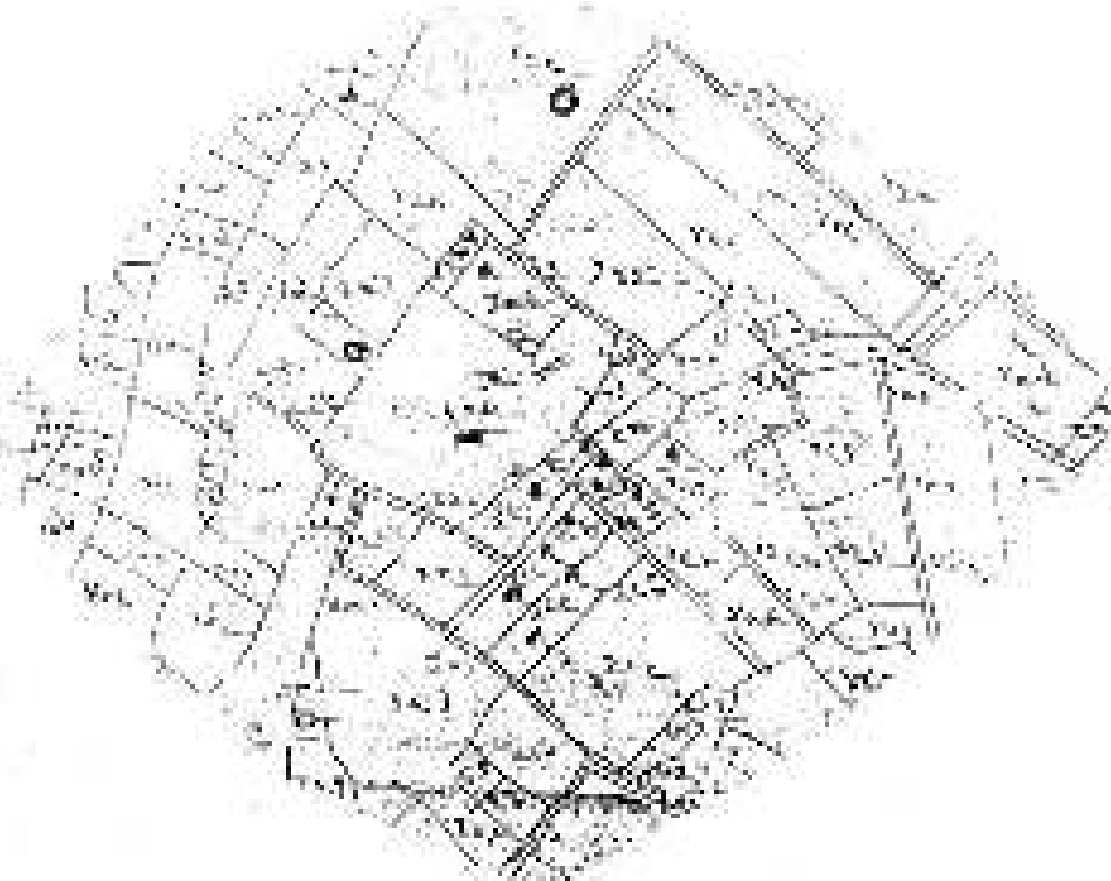
For Page 11 of 11

11-000000

11-000000

(1) $\lim_{n \rightarrow \infty} \frac{1}{n} \ln \mathbb{P}_n(\mathcal{A}_n) = -\inf_{\mathbf{P} \in \mathcal{P}_n} \mathbb{I}(\mathbf{P})$.

$\frac{1}{\sqrt{2}} \begin{pmatrix} 1 & i \\ 0 & 1 \end{pmatrix}$



2010年12月15日

Twice

41

5



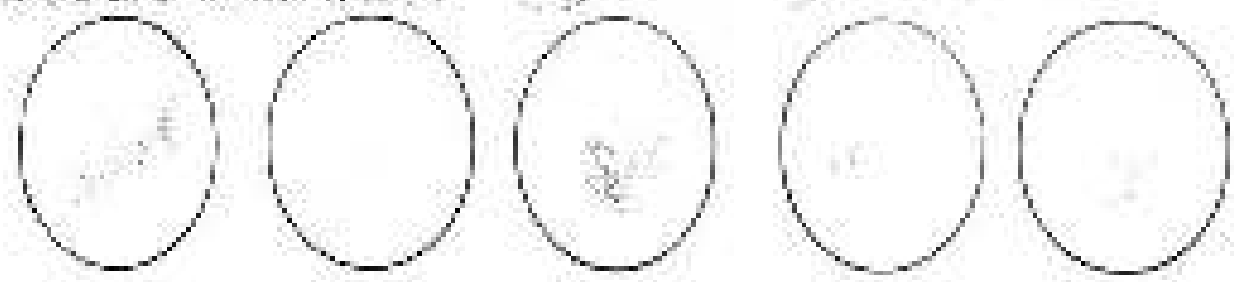
रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 की धारा - 32 (3) के अनुपालन हेतु

फिंगरप्रिंटिंग

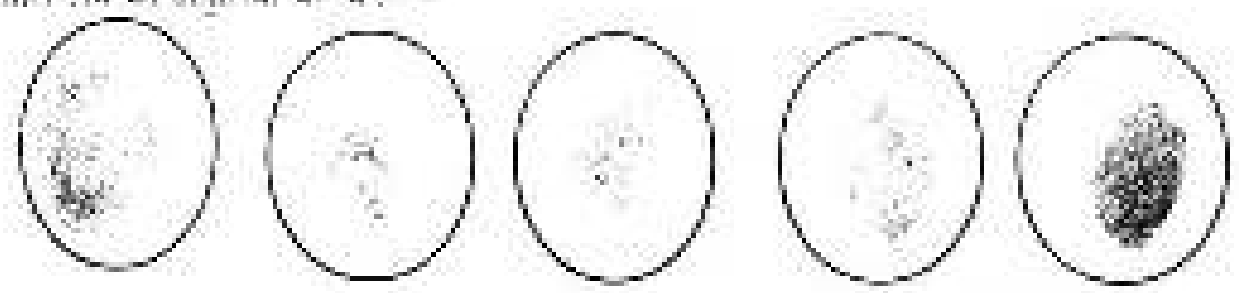
अनुसूचित व्यक्ति का नाम व पता :-

हरदेव देवी, पत्नी श्री राम देव

पहले दाहिने हाथ की अंगुलियों के फिन्ट :-



बादले बाएँ हाथ की अंगुलियों के फिन्ट :-



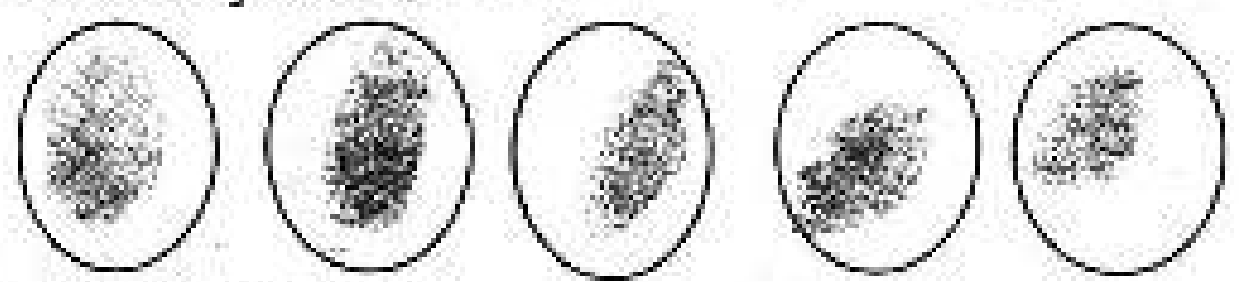
हरदेव देवी

अनुसूचित व्यक्ति का नाम व पता :-

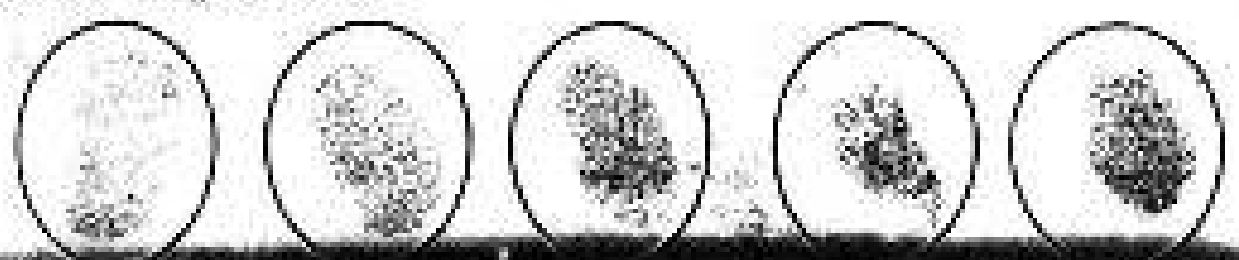
अनुसूचित व्यक्ति का नाम व पता :-

श्री राम देव, पत्नी श्री हरदेव देवी, पता :-

चले दाहिने हाथ की अंगुलियों के फिन्ट :-



बादले बाएँ हाथ की अंगुलियों के फिन्ट :-



अनुसूचित व्यक्ति का नाम व पता :-

आज दि १५/५/६१
प्रमाणित है कि
पुस्तक नं० १२९/६१
परिलक्ष्यी है कि १२९/६१
दि १५/५/६१
श्री १५/५/६१
श्री १५/५/६१
श्री १५/५/६१